दीनदार लडके की करामत [अस्हाबुल उख्दूद का किस्सा]

हज़रत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

हदीस के इस्लाही मझामीन उर्दू [अल्लाह के नेक बंदो की करामत] से एक हिस्से का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

एक तवील रिवायत है इसलिये सिर्फ तर्जुमा कर देता हूं के रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया पहली उम्मतों मे एक बादशाह था जिस के पास एक जादुगर था उस ज़माने मे बादशाह अपने पास जादुगरों को भी रख्ते थे ताके उनके ज़रीये लौगो के उपर अपना तसल्लुत जमाए रख्खे जब वो जादुगर बुढा हुवा तो उसने बादशाह से कहा मै तो बुढा हो गया हूं कोई नव उमर बच्चा मेरे हवाले करो ताके मै उस्को अपना जादु का ये फन सिखा दूं चुनान्चे बादशाह ने शाही खानदान के एक बच्चे को उस्के हवाले किया ता-के वो उस्को अपना जादु का ये फन सिखा दे.

वो बच्चा उस जादुगर के पास जादु सिखने के लिये रोजाना आने जाने लगा जिस रास्ते से वो आता जाता था उस रास्ते मे एक राहिब भी रहता था राहिब यानी अल्लाह का इबादत गुज़ार बंदा, इसाईयों

मे जब तक इसाई मज़हब के अंदर अभी तहरीफ नहीं हूई थी और इनिजल अपनी उसी असली हालत पर थी जो हजरत ईसा (अल) पर नाजिल हूई थी तो उस वकत उनके यहां ये रहबानीय्यत का सिलसिला भी था उस ज़माने मे इसाईयों के साथ यहूदीयों ने और बुतपरस्तों ने भी बडे मज़ालिम किये. ये एक बुतपरस्त बादशाह था जो यमन के इलाका नजरान मे था आज कल ये नजरान सउदीया मे है जूनवास उस्का लकब था ये जूनवास उस ज़माने के जो अहले इमान थे उन पर बहुत जियादतीयां करता था.

बहरहाल उस रास्ते मे एक राहिब था जो अपनी ज़ात को छुपाए हुये था वो बच्चा जब जादुगर के पास आता जाता था तो राहिब के पास से गुज़रता था एक रोज़ ऐसा हूवा के वो बच्चा उस राहिब और आबिद के पास बेठा था जो अल्लाह का नैक बंदा था उस्की बातें उस्को भली मालूम हूई के ये अच्छी बातें है अल्लाह की बातें करता है लिहाज़ा अब उस्की आदत ये हो गई के जब भी वो जादुगर के पास जाता रास्ते मे राहिब आता तो वो उस्के पास बेठ जाता और जब वो जादुगर के पास पहुंचता तो लैट हो जाता तो उस लैट होने पर वो उस्की पिटाई करता के तु क्यू लैट आया.

उसने एक रोज़ उस राहिब से शिकायत की के मै आपके पास

बेठता हूं आप की बातें सुन्ता हूं तो इस्की वजह से वहां जहां मुझे भेजा जाता है लैट हो जाता हूं और उस लैट होने पर वो मेरी पिटाई करता है, अब आप इस्से बचने की कोई तदबीर बताये इस पर उस राहिब ने उस्से यूं कहा देखो जब तुम उस्के पास लैट पहुंचो और तुम्हे ये खतरा हो के वो तुम्हारी पिटाई करेगा तो तुम यूं कह देना मेरे घर वालों ने मुझे रोक लिया था तुम ये बहाना कर देना ताके वो तुम्हारी पिटाई न करे और घर दैर से पहुंचो तो घर वालों को यूं कहना के जादुगर और उस्तादजीने मुझे रोक लिया था, दौनो तरफ उसी तरह बहाना कर लैना चुंनान्चे उस्के बाद फिर यही तदबीर ईख्तियार की और पिटाई से अपने आपको बचा लिया अब वो बराबर जादुगर के पास भी जाता था लैकीन रास्ते मे उस आबिद के पास हंमेशा ठहैरता था उस्से अल्लाह की सब बातें सिख रहा था.

एक मरतबा ऐसा हूवा के एक बहुत खतरनाक और बडे अज़दहै ने लौगों का रास्ता रोक लिया उस्के डर की वजह से लौग आने जाने से रूक गये और किसी की हिम्मत नहीं थी के उस्को छेडे या मारे, ये बच्चा वहां से गुज़रने लगा तो उसने देखा के यहां एक बहुत बडा अज़दहा है जिसने लौगो का रास्ता रोक रखा है.

चुंनान्चे उसने अपने आपमे कहा आज मुझे पता चल जायेगा के जादुगर बेहतर है और अल्लाह के यहां मकबूल है या ये राहिब अल्लाह के यहां मकबूल है आज मेरे लिये इस्का इम्तेहान करने का वकत आ-गया चुंनान्चे उसने ये किया के एक पथ्थर लेकर यूं कहा ए अल्लाह अगर ये राहिब तैरे नज़दीक उस जादुगर के मुकाबले मे ज़ियादा महबूब है तो इस पथ्थर के ज़रीये से तु इस अज़दहै को खत्म कर दे ये कह कर वो पथ्थर मारा और वो मर गया.

बस लौगों का रास्ता खूल गया उस्के बाद वो राहिब के पास आ-गया तो उस पर राहिब ने कहा बेटे तु तो आज अल्लाह के कुर्ब मे मुझसे भी बढ गया तैरे हाथ पर ये करामत ज़ाहिर हूई और तैरा मामला लौगों के सामने भी आ-गया अब अंदेशा ये है के अल्लाह की तरफ से तैरी आजमाइश होगी और कही ऐसा न हो के बादशाह तुझे तकलीफे पहुंचाये अगर बादशाह की तरफ से तकलीफे पहुंचने का वकत आ-जाये तो मैरा नाम मत लैना यानी बादशाह अगर तुझसे पुछे के ये सारी बातें तुझे किसने सिखाई तो मैरा हवाला मत दैना उसने कहा ठिक है.

उस्के बाद तो मामला इतना आगे बढ गया के कोई मां के पेट से अंधा पैदा होता और ये बच्चा उस्की आंखो पर हाथ फेरता तो वो

बीना हो जाता उस्की बीनाई ठिक हो जाती कोई कोडी होता और उस पर हाथ फेर देता तो उस्की बीमारी दूर हो जाती थी और जिस्को जो बीमारी होती बीमार लौग उस्के पास आते थे ये हाथ फेर देता तो वो ठिक हो जाते थे.

एक दिन ऐसा हूवा के बादशाह के वज़ीरों मे से एक वज़ीर अंधा हो गया उस्को किसीने बत्लाया के फलां साहब है जो हाथ फेर दैते है तो बीमार ठिक हो जाते है. चुंनान्चे वो बहोत बडे हदीये लेकर उस्के पास पहुंचा और कहा के अगर तु मुझे ठीक कर दे तो ये सब हदीये तैरे लिये है उसने कहा में तो किसी को ठीक नहीं करता शिफा मेरे हाथ मे नहीं है शिफा दैने वाला तो अल्लाह है.

उस लडके की आदत थी जब भी कोई बीमार किसी बीमारी से शिफा की दुआ के लिये उस्के पास आता तो उस्के साथ शर्त कर लैता था के तु अल्लाह पर इमान लाये तो तैरे लिये दुआ करूंगा और तु ठीक हो जायेगा. इस तरह से बहोत सारे लौग इमान ले आये लिहाज़ा उस्के साथ भी शर्त की अगर तु अल्लाह पर इमान ले आये तो मै तैरे लिये अल्लाह से दुआ करूंगा तो अल्लाह तुझे तंदरूस्ती दे देंगे.

चुंनान्चे वो अल्लाह पर इमान ले आया और ठीक हो गया बीना हो

गया फिर जब वो बादशाह के दरबार मे हाज़ीर हूवा तो बादशाह ने पुछा के तैरी ये बिनाई कैसे ठीक हो गई तु तो अंधा हो गया था किसने तुझे ठीक किया तो उसने कहा मेरे परवरदिगारने अच्छा किया.

बादशाह ने कहा मेरे अलावा भी तैरा कोई परवरदिगार है, तैरा परवरदिगार तो में हूं उसने कहा नहीं तैरा और मैरा दौनो का परवरदिगार अल्लाह है वज़ीर ने जब ये कहा तो बादशाह ने उस्को पकड कर तकलीफे दैना शुरू कर दी और पुछा के तुने ये कहां से सिखा उसने बता दिया के फलां लडके ने मुझे ये सिखाया है.

अब बादशाह ने लडके को बुलवाया और उसने पुछा के तैरा जादु तो बहुत आगे निकल चुका है तु नाबीना को बीना करता है उसने कहा मै किसी को तंदरूस्त नहीं करता अल्लाह तंदरूस्त करता है बादशाह ने उस्को भी सजा दैना और तकलीफे पहुंचाना शुरू किया यहां तक्के उसने उस राहिब का हवाला दे दिया हालां के वादा कर चूका था और राहिब ने उस्को कहा था मैरा नाम मत लैना लैकीन राहिब का नाम ले लिया.

चुंनान्चे बादशाह ने उस राहिब को पकड कर बुलवाया और उसने यूं कहा के तु अपना दीन छोड दे वो बादशाह बुतपरस्त था और ये राहिब इसाई था हजरत ईसा (अल) पर इमान रखता था उसने

जवाब दिया के मै नहीं छोड सकता तो बादशाह ने आरा मंगवाया और ज़मीन के अंदर उस आदमी को गाड कर उस्के सर पर आरा रखकर उस्के पुरे दो टुकडे कर दिये और उस्को चीर दिया.

उस्के बाद वज़ीर को बुलाया और उस्से भी कहा के तु अपना ये दीन छोड दे उसने जवाब दिया के मै नहीं छोड सकता उस्के उपर भी आरा रखा उस्के भी दो टुकडे कर दिये.

उस्के बाद फिर लडके को बुलाया और कहा के तु अपने दीन से बाज़ आ-जा और छोड दे उसने भी इन्कार किया तो उस्को आरा से चीरने के बजाये बादशाह ने अपने कुछ आदमीयों के हवाले किया और कहा के इस्को पहाड पर लेजाओ और बिलकुल चोटी पर लेजाकर इस्से पुछ लैना के अपने दीन से बाज़ आता है अगर बाज़ आ-जाये और छोड दे तब तो ठीक है अगर बाज़ न आये और न छोडे तो फिर इस्को वहां से गिरा देना ताके उस्के जिसम के टुकडे टुकडे हो जाये.

चुंनान्चे वो लौग इस्को लेगये, अब इसने वहां जाकर दुआ की ए अल्लाह तु जिस तरह चाहे मेरी तरफ से उनको काफी हो जा यानी उनका शहर और उनकी तरफ से जो इज़ा मुझे पहुंच सकती है तो जिस तरह चाहे दूर कर दे, चुंनान्चे पहाड मे एकदम से जरजरी सी

आई और जो लौग उस्को लेकर गये थे वो सब चोटी पर से निचे गीर गये और मर गये और ये लडका सलामत रहा और चल कर बादशाह के पास आया. बादशाह ने पुछा वो लौग कया हुवा उसने कहा अल्लाह ने उनको खतम कर दिया फिर बादशाह ने उस्को कुछ और लौगों के हवाले किया के उस्को कश्ती मे ले जाओ और समंदर के बीच मे ले जाने के बाद उस्से पुछो अगर वो अपने दीन से बाज़ आ-जाये तब तो ठीक है वापस ले आना वरना समंदर मे डाल देना वो उस्को कश्ती मे ले गये वहां पहुंचने के बाद उसने फिर अल्लाह से दुवा की उस्की दुआ के नतीजे मे कश्ती डुबी तो वो सब डुब गये और ये बचकर फिर बादशाह के पास आ-गया बादशाह ने पुछा कया हूवा उसने कहा उन सब लौगो को अल्लाह ने मेरी तरफ से काफी हो गया और वो सब डुब गये.

अब उसने बादशाह से कहा देखो तुम मुझे मार नहीं सकते हो हां में एक तदबीर बतलाता हूं उस तदबीर पर अगर तुम अमल करो तो में मरूंगा उस्के बगैर तुम मुझे मार नहीं सकते, बादशाह ने पुछा वो तदबीर कया है कहा पहला काम तो ये करो के एक मैदान मे तमाम लौगों को जमा करो उस्के बाद मुझे दरख्त के तने उपर लटकावो उस्के बाद मेरे तिरकस मे से एक तीर निकालो उस्को

कमान के बिचमे रखकर कहो बिसिमल्लाहि रबिबल गुलाम यानी उस अल्लाह के नाम से मे ये तीर मारता हूं जो इस बच्चे का रब है कह कर मुझे वो तीर मारो जब तुम इस तरह करोंगे तो ही मुझे मार पावोगे.

चुंनान्चे बादशाह ने ऐसा ही किया जैसा उस लडके ने कहा और तीर मारा तो वो तीर उस्की कनपट्टी मे लगा उस्का वही इन्तेकाल हुवा अब जब ये हूवा तो जितने भी लौग थे वो सब कहने लगे हम इस लडके का जो रब है उस पर इमान लाते है गोया वो सब बादशाह से हट गये उनकी समझ मे आ-गया के जो आदमी उस लडके को कत्ल करने मे भी मोहताज है जब तक उसने उस लडके के रब का नाम नहीं लिया उस वकत तक ये बच्चा और लडका इस्से नहीं मरा तो इस्के हाथ मे है कया.

चुंनान्चे सब लौग अल्लाह पर इमान ले आये इसलिये उसने ये तदबीर ईख्तियार की गोया अपने आप को कुरबान किया और तमाम लौगो को इमान की दौलत से मालामाल कराया.

अब बादशाह के जो मुशीर लौग थे उन्होने कहा देखो तुम्को जो डर था वही हुवा उस बच्चे को तुम इसलिये कत्ल करवाते थे ताके उस्को देख कर लौगों का दीन खराब न हो अकीदा न बिगडे लैकीन

उसने मर के सबको मुसलमान बनाया, बादशाह ने कहा देखो हर गली और हर महल्ले के किनारे पर खंदकें खोदो.

चुंनान्चे उस्के हुकम पर पुरी बस्ती के अंदर हर गली हर महल्ले के उपर खंदकें खोदी गई और उस्के अंदर आग जलाइ गई जब आग आस्मान को छुने लगी तो फिर लौगो को पकड कर लाया जाता था के अपने दीन से बाज़ आते हो या अंदर डालें लैकीन कोई भी बाज़ नहीं आया सब कहते थे हम बाज़ नहीं आते उनको डाल दिया जाता था इस तरह सब को खत्म किया गया.

यहां तक्के एक औरत को लाया गया इस्के साथ उस्का एक छोटा बच्चा था अपने बच्चे की मुहब्बत की वजह से उस औरत को कुछ जिज़क हूई तो छोटा सा दुध पीता बच्चा ने अपनी मां से कहा मां कोई बात नहीं तु हक पर है मरजा अपने आपको कुरबानी के वास्ते पैश कर दे चुंनान्चे मां की जो जिज़क थी वो खत्म हो गई और उसने भी इन्कार किया के मै भी अपने दीन को नहीं छोड सकती और उस्को भी डाल दिया गया.

कुर्आने पाक मे सूरतुल बुरूज मे है वो यही अस्हाबुल उख्दूद का किस्सा है.